विश्व पर्यावरण दिवस-2014

सीएमपीडीआई परिसर में सभी कार्यकारी निदेशकों, क्षेत्रीय संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक, सभी विभागाध्यक्षों, जेसीसी एवं सीएमओएआई के प्रतिनिधियों तथा मुख्यालय/क्षेत्रीय संस्थान-3 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में विश्व पर्यावरण दिवस-2014 मनाया गया। इस समारोह का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने पर्यावरण झंडा फहराकर किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग तथा इससे होने वाले दुष्परिणामों को हाइलाइट किया। इसे रोकने के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया । उन्होंने समुद्र में बढ़ते जल-स्तर के कारण अस्तित्व से जूझ रहे छोटे-छोटे द्विपीय देशों को बचाने हेतु बदलती जलवायु, रेजिलेंस के सशक्तिकरण तथा टिकाऊ भविष्य के लिए कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने सोर पैनेल की स्‍थापना के लिए सीएमपीडीआई द्वारा किए गए प्रयास का उल्लेख किया जो जुलाई, 2014 से चालू हो जाएगा। सीएमपीडीआई परिसर की लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की आवष्यकता को पूरा करेगा। उन्होंने पेपर रिसाइक्लिंग पर सीएमपीडीआई द्वारा किए गए प्रयास की भी प्रशंसा की।

इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता के समूह-ए (कक्षा 1 से 3 तक) के आर्या सिन्हा को (प्रथम पुरस्कार), अविकम को (द्वितीय पुरस्कार), मेघा यादव एवं पंखुड़ी रंजन को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया। निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष ने समूह-बी (कक्षा 4 से 7 तक) के अंकित कुमार को (प्रथम पुरस्कार), खुशी रानी को (द्वितीय पुरस्कार), माधवी ठाकुर एवं सुप्रतीक दास को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया। निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0चोपड़ा ने समूह-सी (कक्षा 8 से 10 तक) के रितिक राहुल को (प्रथम पुरस्कार), श्रेशी दिप्त को (द्वितीय पुरस्कार), सत्यम कुमार एवं कौशिकी दास को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा श्री चोपड़ा ने निबंध लेखन प्रतियोगिता (सभी वर्गों के लिए) के विजेता अनिरूद्ध अनिल ओझा को (प्रथम पुरस्कार), राज आर्यन को (द्वितीय पुरस्कार) तथा श्रीशेष प्रतीक एवं प्रेरणा कुमारी को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, सीएमपीडीआई के साथ-साथ सभी कार्यकारी निदेशक, क्षेत्रीय संस्थान-3 के क्षेत्रीय निदेशक ने संस्थान के वेस्ट पेपर रिसाइक्लिंग प्लांट में रिसाइकिल किया हुआ बेकार कागज से बने फाइल कवर का विमोचन किया। श्री देबनाथ ने बताया कि भविष्य में उपयोग के लिए इन फाइल कवरों को कोल इंडिया के सभी अनुषंगी कम्पनियों तथा कोयला मंत्रालय को भेजा जाएगा।

इस मौके पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0चोपड़ा, क्षेत्रीय संस्थान-3 के क्षेत्रीय निदेशक श्री ए0 सिन्हा, महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री डी0 बसु समेत जेसीसी के सदस्य एवं सीएमओएआई के प्रतिनिधियों द्वारा ''आरण्य उद्यान'' में सफेद मुसली, हरसिंगार, आंवला, अकवन, कालमेघ, अश्वगंधा, शतावर, करौंदा तथा आजवाइन जैसे औषधीय पौधा लगाया गया।

अपराह्न के सत्र में मयूरी प्रेक्षागृह में एक अतिथि भाषण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. पी0पी0 भोजवैद, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा उप कुलपति, एफआरआई विश्वविद्यालय, देहरादून इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ. भोजवैद ने बताया कि हमारे भविष्य की पीढ़ियों को हमसे अधिक पर्यावरणिक विसंगतियों का सामना करना पड़ेगा अगर हम सचेत न हुए। साथ ही उन्होंने वृक्षारोपण खनन क्षेत्र में भूमि-पुनरूद्धार तथा कार्बन को कम करने में पौधों की भूमिका पर प्रकाश डाला।